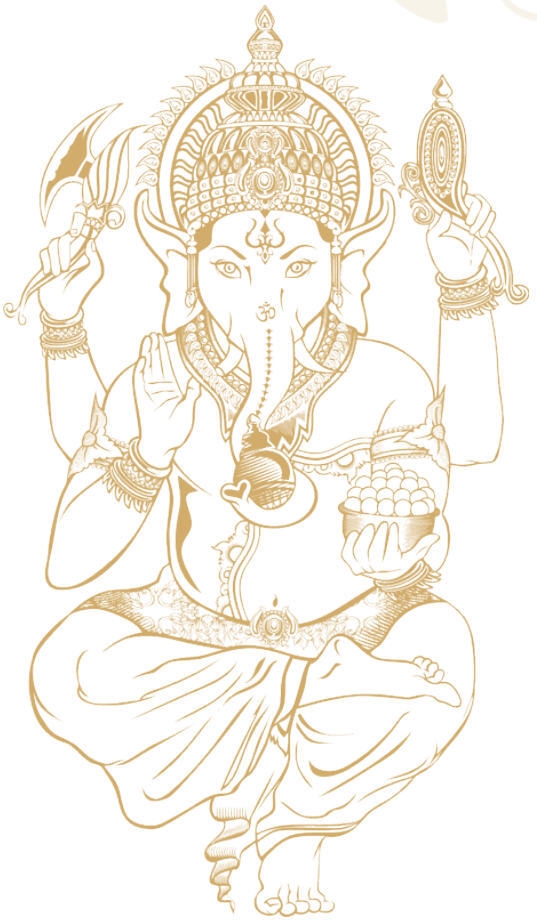

Shiv Richi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121115002

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
22/03/1992	जन्म तिथि	03/09/1997
रविवार	दिन	बुधवार
घंटे 13:50:00	जन्म समय	09:00:00 घंटे
घटी 19:32:10	जन्म समय(घटी)	08:21:34 घटी
India	देश	India
Basti	स्थान	Ayodhya
26:48:00 उत्तर	अक्षांश	26:47:00 उत्तर
82:44:00 पूर्व	रेखांश	82:12:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:00:56	स्थानिक संस्कार	-00:01:12 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:01:08	सूर्योदय	05:41:31
18:11:09	सूर्यास्त	18:19:09
23:45:11	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:26

विंशोत्तरी गुरु 10वर्ष 1मा 17दि	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी सूर्य 4वर्ष 9मा 22दि
बुध	11:40:33	कर्क	लग्न	तुला	00:12:54	राहु
10/05/2021	08:12:45	मीन	सूर्य	सिंह	16:51:10	26/06/2019
10/05/2038	24:53:24	तुला	चंद्र	सिंह	29:18:30	26/06/2037
बुध 06/10/2023	01:47:57	कुंभ	मंगल	तुला	18:43:39	राहु 09/03/2022
केतु 02/10/2024	15:45:14	मीन व	बुध व	सिंह	12:04:04	गुरु 01/08/2024
शुक्र 03/08/2027	13:10:10	सिंह व	गुरु व	मक	20:11:48	शनि 08/06/2027
सूर्य 09/06/2028	16:33:17	कुंभ	शुक्र	कन्या	25:43:02	बुध 26/12/2029
चन्द्र 08/11/2029	21:18:28	मक	शनि व	मीन	25:39:45	केतु 13/01/2031
मंगल 05/11/2030	11:37:25	धनु व	राहु	सिंह	25:52:20	शुक्र 13/01/2034
राहु 25/05/2033	11:37:25	मिथु व	केतु	कुंभ	25:52:20	सूर्य 08/12/2034
गुरु 31/08/2035	23:52:05	धनु	हर्ष व	मक	11:34:41	चन्द्र 07/06/2036
शनि 10/05/2038	24:58:18	धनु	नेप व	मक	03:41:39	मंगल 26/06/2037
	29:00:13	तुला व	प्लूटो	वृश्चि	09:07:26	

लग्न-चलित

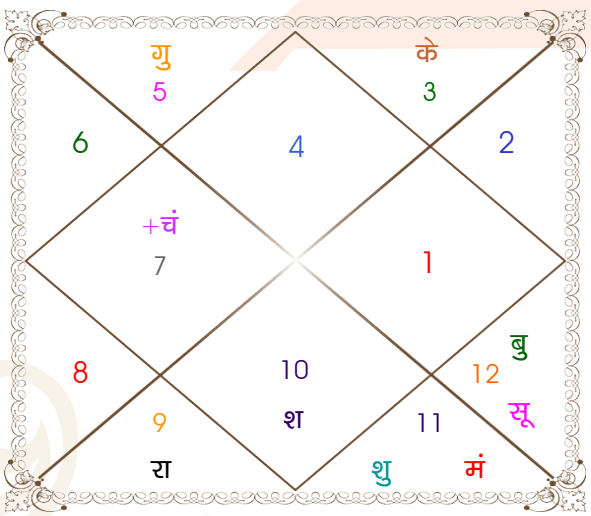

लग्न-चलित

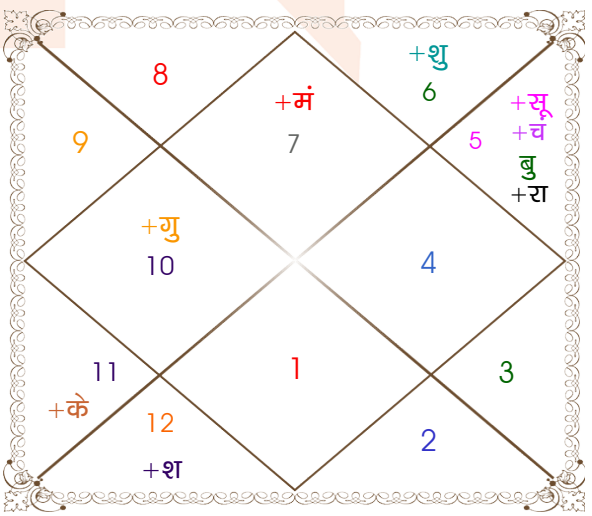

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	वनचर	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	गौ	4	0.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	सूर्य	5	0.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	तुला	सिंह	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	16.50		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

Shiv का वर्ग सर्प है तथा त्पबीप का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Shiv और त्पबीप का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Shiv मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है। क्योंकि मंगल Shiv कि कुण्डली में अष्टम् भाव में कुम्भ राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्पबीप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु त्पबीप कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Shiv कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Shiv तथा त्पबीप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।